

किस्म मुकदमा ... प्रा-पञ्ज 111-120 नं० 231 सन् 2022

दिनांक	हुकम या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
--------	----------------------------------	--

9-11-22

वाद / प्रार्थनापत्र बाद जाँच प्रस्तुत हुआ दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को सम्मन नोटिस जारी किये जावें। पत्रावली दिनांक 29.11.22 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर माण्डल

29/11

उपपक्ष उपस्थित नैतिक अधिकारी राजकीय कार्य से बाहर हैं। आपाजत पर है / पदस्थित है। पत्रावली दिनांक 17.11.22 को पेश हो।

रीडर  
उपखण्ड अधिकारी माण्डल

17-1-23

उपपक्ष उपस्थित नैतिक अधिकारी राजकीय कार्य से बाहर हैं। आपाजत पर है / पदस्थित है। पत्रावली दिनांक 24.1.23 को पेश हो।

रीडर  
उपखण्ड अधिकारी माण्डल

24.1.23

पत्रावली पेश हुई, वकील प्राची उपस्थित, अप्राचीगण के सम्मन बाद तामिल होकर प्राप्त हुए पिस शा.प. किये गये। अप्राचीगण को कितनी बार एक एक कर आवाजे दिलायी जाने के बाद भी उपस्थित नहीं। इनके विरुद्ध एक तरफा कार्य वाही किये जाने का आदेश दिया जाता है। वकील प्राची का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर निर्णय पृष्ठ से लिखा जाकर शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नंबर से कम है।

उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल जिला भीलवाड़ा



## न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, माण्डल जिला भीलवाड़ा (राज0)

पीठारसीन अधिकारी- नारायण लाल जीनगर (आर0ए0एस0)

मुकदमा संख्या- 231/22 प्राप्पज

श्री सम्पत लाल जो श्री राम-चन्द्र शोडानी (गहाण) गिवासी- 4: दर बाजार रागवानपुरा  
तहसील- माण्डल

-प्रार्थी

धनाम

श्री कैलाश जो श्री शिवनारायण ब्राह्मण गिवासी- ब्राह्मणों की सरनी तहसील- आसीवद  
श्री हीरा जो श्री गंगाराम कुमानर गिवासी- काशीरवाणी की स्पेडी तहसील- माण्डल  
श्री रतना जो श्री गान्धु गिवासी- रागवानपुरा तहसील- माण्डल  
श्री कैलाश जो श्री मदन गाली गिवासी- रागवानपुरा तहसील- माण्डल  
राजस्थान राज्य जरीए तहसीलदार सा- माण्डल तहसील- माण्डल  
--विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा. अधि. 1956

दिनांक :- 24.01.23

::आदेश::

ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन कि ग्राम...रागवानपुरा...पटवार हल्का...रागवानपुरा...तहसील माण्डल में उसके युक्त खाते की आराजी नं. 142, 143... कुल कितना... 0.2...रकबा... 1.8338 स्थित हैं। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह नहीं होने से आये ग संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहता है। जिसमें प्रार्थी अपने खाते/संयुक्त खाते की भूमि की के आदेश प्रदान कराये जावें।

प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक 09.11.22 को पंजीबद्ध किया जाकर प्रकरण को र्थ से यह बात सिद्ध हैं कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जे काश्त की होने से पत्थरगढी कराने का हैं। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकार निर्धारित किये जाते हैं। अतः इन तथ्यों को देखते की न्यायिक सिद्धान्त के आधार पत्र स्वीकार योग्य हैं।

::आदेश::

प्रार्थना पत्र धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम...रागवानपुरा...पटवार पुरा...तहसील माण्डल में उसके खाते/संयुक्त खाते की आराजी नं. 142, 143...  
0.2...रकबा 1.8338 हेक्टर भूमि के चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश किया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू-अभिलेख रागवानपुरा...को 700/-...रुपये/- कमिश्नर फीस पर कमिश्नर फीस जमा होने न की मौजूदगी में मौके व कब्जे की यथास्थिति को बनाये रखते हुए मुस्तकील बिन्दु को आधार थगढी की जावें। फसल खडी होने पर पत्थरगढी नहीं की जावें।

उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल भीलवाड़ा

तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख हैं कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।

उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल भीलवाड़ा